

*m01

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): राजधानी दिल्ली में ड्रेनेज और सीवर सिस्टम लगभग 42 वर्ष पुराना है। इसमें समय-समय पर रद्दोबदल तो हुए, लेकिन बढ़ती आबादी और भविष्य की जरूरत के हिसाब से इसे विकसित नहीं किया गया। राजधानी दिल्ली की विशेषकर उत्तर-पूर्व संसदीय क्षेत्र की प्रमुख समस्या वह ड्रेनेज सिस्टम है, जो सड़कों, गलियों और विभिन्न इलाकों को नालों से जोड़ता है। इसे बदलने के लिए अभी तक कोई कारगर योजना नहीं बनाई गई है। राजधानी दिल्ली में अगर कहीं ड्रेनेज सिस्टम बदला भी जाता है तो वहां मौजूदा जरूरत को देखते हुए सीवर लाइनें बिछाई जाती हैं, जबकि उसे भविष्य की जरूरत के हिसाब से डालना चाहिए।

आज भी राजधानी दिल्ली की विशेषकर उत्तर-पूर्व संसदीय क्षेत्र की अधिकृत की गयी कालोनियों सहित अनेक गांवों और पुनर्वास कालोनियों में ड्रेनेज सिस्टम नहीं है। उत्तर-पूर्व संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत कई इलाके ऐसे भी हैं, जहां सड़कें बार-बार बनने से ऊंची हो गयी हैं और कालोनी नीचे रह गयी हैं। इस कारण भी पूरे क्षेत्र में जल-भराव हो जाता है, जिसकी वजह से नागरिकों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। यहां की डी0डी0ए0 कालोनियों का ड्रेनेज सिस्टम भी पूरी तरह से जाम पड़ा हुआ है। उत्तर-पूर्व संसदीय क्षेत्र पूरी तरह से पिछड़ा हुआ है। इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए एक कारगर योजना बनाये जाने की आवश्यकता है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि राजधानी दिल्ली के उत्तर-पूर्व संसदीय क्षेत्र के लिए सीवर एवं ड्रेनेज समस्या के निदान हेतु प्लान तैयार किए जाने और इस क्षेत्र के लिए विद्युत, पानी, सड़क की समस्या के निराकरण एवं सर्वांगीण विकास हेतु एक विशेष योजना बनाकर उसको तीव्रता से क्रियान्वित किये जाने हेतु कारगर कदम उठाए।